तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 51/2025)
प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 27 जून, 2025

(www.trai.gov.in)

31 मई, 2025 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस*	वायरलाइन	कुल (वायरलैस+वायरलाइन)
ब्राडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	930.77	44.09	974.87
शहरी टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	634.91	34.78	669.69
मई, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.61	0.88	2.50
मासिक वृद्धि दर	0.25%	2.60%	0.37%
ग्रामीण टेलीफ़ोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	533.51	3.88	537.39
मई, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.38	0.37	0.74
मासिक वृद्धि दर	0.07%	10.44%	0.14%
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	1168.42	38.66	1207.08
मई, 2025 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	1.99	1.25	3.24
मासिक वृद्धि दर	0.17%	3.34%	0.27%
समग्र दूरसंचार-घनत्व@	82.63%	2.73%	85.36%
शहरी दूरसंचार-घनत्व@	124.91%	6.84%	131.76%
ग्रामीण दूरसंचार-घनत्व@	58.90%	0.43%	59.33%
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	54.34%	89.97%	55.48%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	45.66%	10.03%	44.52%

- मई, 2025 के माह में 14.03 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं।
- मई, 2025 के अंत तक सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर$ की तिथि पर) की संख्या 1080.06 मिलियन थी।

नोट: -

* वायरलेस में 5जी एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

@ 'भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमानों पर तकनीकी समूह की रिपोर्ट 2011-2036' से जनसंख्या के प्रक्षेपण के आधार पर।

$ VLR विज़िटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्त नाम है। विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के लिए पीक वीएलआर की तिथियां अलग-अलग सेवा क्षेत्रों में अलग-अलग हैं।

इस प्रेस विज्ञप्ति में दी गई जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

#मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड ने **31 मई 2025** तक एफटीटीएक्स श्रेणी में **1.03** मिलियन फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस - अनलाइसेंस्ड बैंड रेडियो (एफडब्ल्यूए-यूबीआर) सब्सक्राइबरों की सूचना दी है।

I. ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस

मई, 2025 के अंत में 1,458 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या 943.09 मिलियन से बढ़कर 974.87 मिलियन हो गई जिसमें वृद्धि दर 3.37 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्राडबैंड सब्सक्राइबरों की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:-

मई, 2025 के माह की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड सब्सक्राइबर बेस तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

सेगमेंट	सब्सक्रिप्शन	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)		परिवर्तन दर (प्रतिशत) *
		अप्रैल-25	मई-25	
वायर्ड सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायर्ड ब्रॉडबैंड** (डी,एस.एल., एफ.टी.टी.एक्स., ईथरनेट/एल.ए.न, केबल मॉडेम, आई.एल.एल)	41.41	44.09	6.46%
वायरलेस सब्सक्राइबर	**फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड** (एफ.डब्ल्यू.ए.-5जी, वाई-फाई, वाई-मैक्स, रेडियो, सैटेलाइट)	4.87	7.79	60.06%
	मोबाइल ब्रॉडबैंड (हैंडसेट/डोंगल आधारित)	896.81	922.99	2.92%
कुल		**943.09**	**974.87**	**3.37%**

* अप्रैल 2025 के लिए ब्रॉडबैंड ग्राहकों की रिपोर्ट मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड और मेसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत नवंबर 2024 के महीने के लिए इंटरनेट सदस्यता डेटा के आधार पर तैयार की गई थी क्योंकि इन सेवा प्रदाताओं ने दिसंबर 2024, जनवरी 2025, फरवरी 2025, मार्च 2025 और अप्रैल 2025 के महीनों के लिए निर्धारित प्रारूप में आवश्यक डेटा प्रस्तुत नहीं किया था। मेसर्स रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड और मेसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड ने मई 2025 के महीने से निर्धारित प्रारूप में आवश्यक डेटा प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। इस कारण से, उपरोक्त तालिका मई 2025 के महीने में ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या में उल्लेखनीय बदलाव दर्शाती है।

31 मई, 2025 के अंत तक सबसे बड़े पांच (वायर्ड+वायरलेस) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	494.47
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	302.15
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	126.68
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	34.32
5.	अटरिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.32
टॉप फाइव बनाम टोटल ब्रॉडबैंड (वायर्ड+वायरलेस) का मार्केट शेयर		**98.47%**

- ब्राडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया हैः -

दिनांक 31 मई, 2025 की स्थिति के अनुसार ब्राडबैंड (वायरलाईन+वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

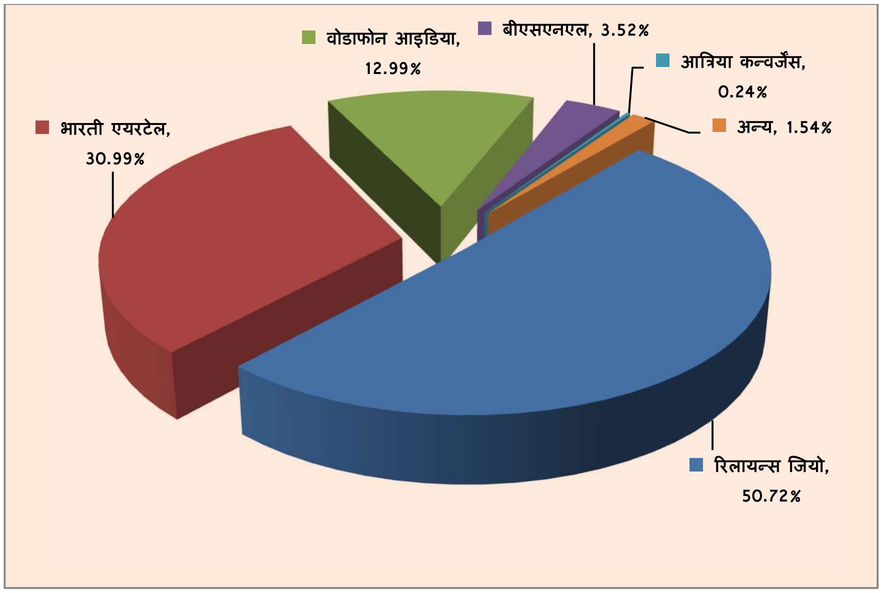

- दिनांक 31 मई, 2025 की स्थिति के अनुसार फिक्सड वायर्ड सेवा प्रदान करने वाले पांच सबसे बड़े ब्राडबैंड सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	13.51
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	9.26
3.	भारत संचार निगम लिमिटेड	4.32
4.	आत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	2.32
5.	केरला विजन ब्रॉडबैंड लिमिटेड	1.34
टॉप फाइव वायरलाईन ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		69.74%

- दिनांक 31 मई, 2025 की स्थिति के अनुसार पांच सबसे बड़े वायरलेस ब्राडबैंड (फिक्स्ड वायरलेस ब्राडबैंड और मोबाइल ब्राडबैंड) सेवा प्रदाता

क्रम संख्या	सेवा प्रदाता का नाम	सब्सक्राइबर बेस (मिलियन में)
1.	रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड	480.96
2.	भारती एयरटेल लिमिटेड	292.89
3.	वोडाफोन आइडिया लिमिटेड	126.67
4.	भारत संचार निगम लिमिटेड	29.99
5.	आईबस वर्चुअल नेटवर्क सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	0.09
टॉप फाइव वायरलेस ब्राडबैंड सेवा प्रदाताओं का मार्केट शेयर		99.98%

II. वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस

- वायरलाइन सब्सक्राइबरों की कुल संख्या अप्रैल, 2025 को 37.41 मिलियन से बढ़कर मई, 2025 को 38.66 मिलियन हो गई। इस माह में 3.34% की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में 1.25 मिलियन की निबल वृद्धि दर्ज की गई।

- भारत में कुल वायरलाइन टेली-घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत में 2.65% से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 2.73% हो गई। इसी अवधि के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलाइन टेली-घनत्व क्रमशः 6.84% और 0.43% था। मई, 2025 के अंत में कुल वायरलाइन सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 89.97% और 10.03% थी।

- 31 मई, 2025 के अंत में तीनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल, एमटीएनएल तथा एपीएसएफएल के पास वायरलाइन बाजार की 26.18% हिस्सेदारी थी। वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-1** में उपलब्ध हैं।

दिनांक 31 मई, 2025 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन सब्सक्राइबर बेस की बाजार हिस्सेदारी

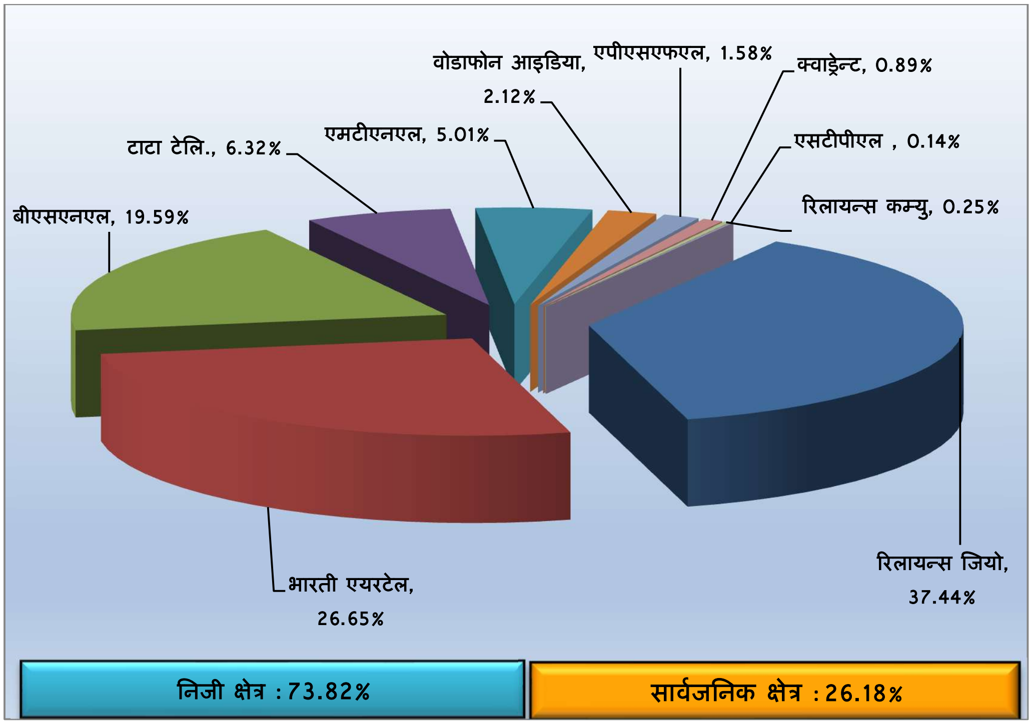

मई, 2025 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन सब्सक्राइबरों की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए सब्सक्राइबर

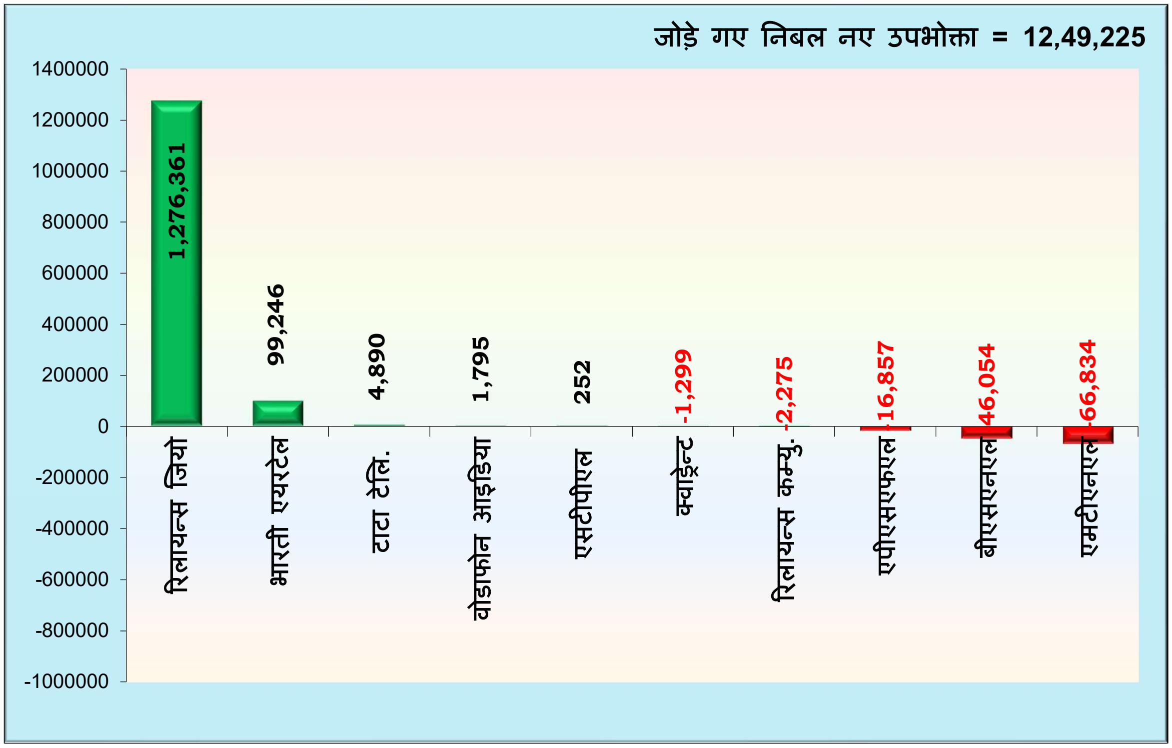

III. वायरलेस (मोबाइल + 5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- कुल वायरलेस (मोबाइल + 5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या अप्रैल, 2025 को 1,166.43 मिलियन से बढ़कर मई, 2025 को 1,168.42 मिलियन हो गई, जिससे 0.17% की मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में कुल वायरलेस सब्सक्रिप्शन 30 अप्रैल, 2025 को 633.29 मिलियन से बढ़कर, 31 मई 2025 को 634.91 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी सब्सक्रिप्शन 533.14 मिलियन से बढ़कर 533.51 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.25% और 0.07% थी।

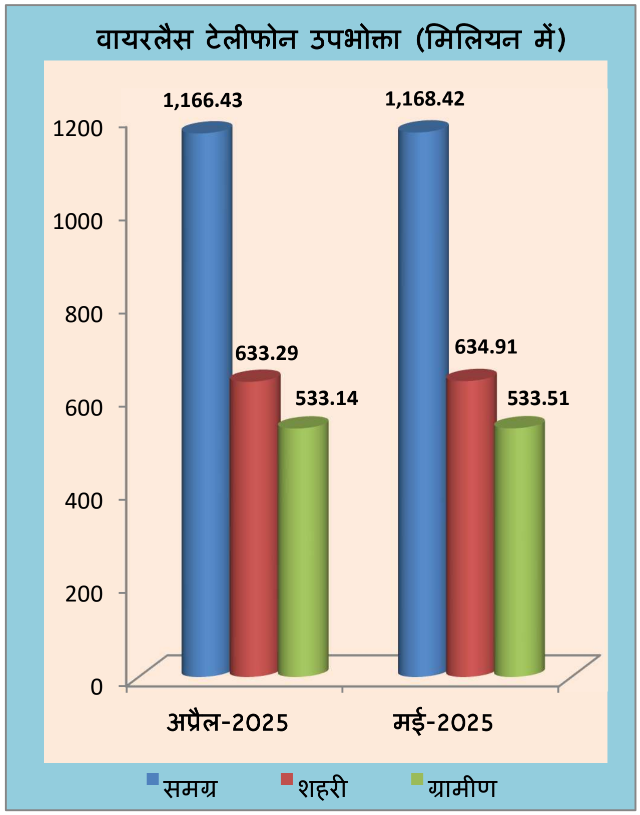

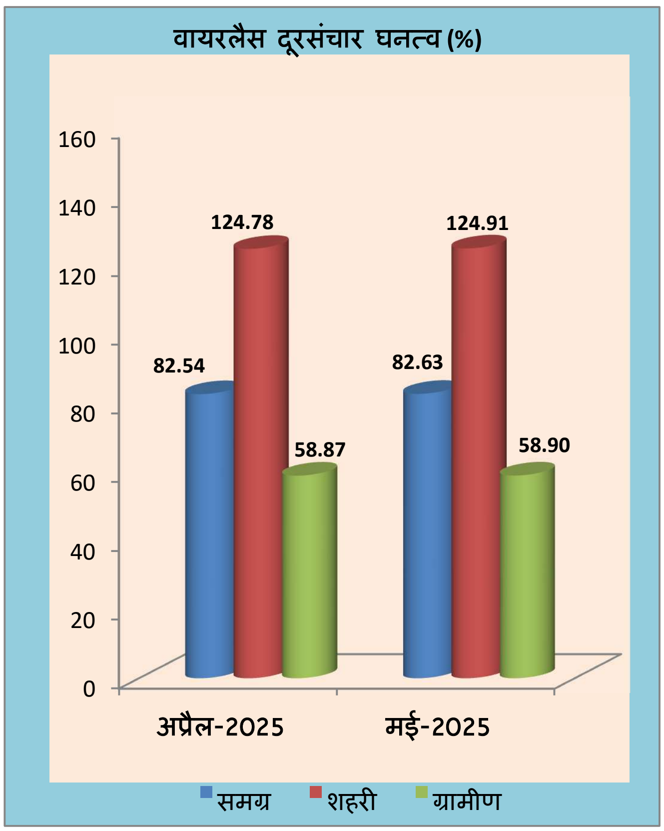

- भारत में वायरलेस टेली-घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत में 82.54% से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 82.63% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत में 124.78% से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 124.91% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व भी 58.87% से बढ़कर 58.90% हो गया। मई, 2025 के अंत में कुल वायरलेस ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.34% और 45.66% थी।

वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों और वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) ग्राहकों का विवरण नीचे दिया गया है: -

(ए) वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस

• कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या अप्रैल, 2025 के अंत में 1,158.93 मिलियन से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 1,161.03 मिलियन हो गए, जिससे मासिक वृद्धि दर 0.18% दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन अप्रैल, 2025 के अंत में 628.57 मिलियन से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 630.42 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में भी वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन 530.36 मिलियन से बढ़कर 530.60 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्रिप्शन की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.29% और 0.05% थी।

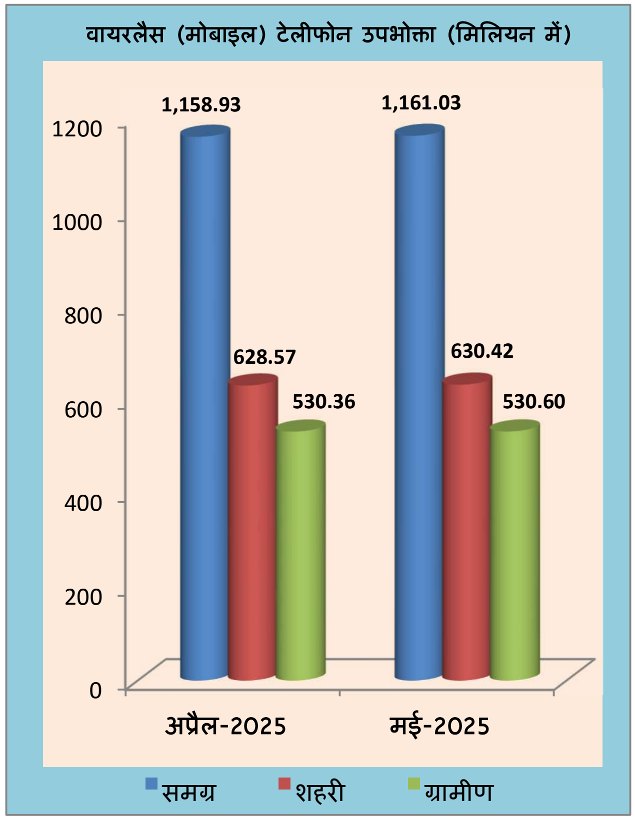

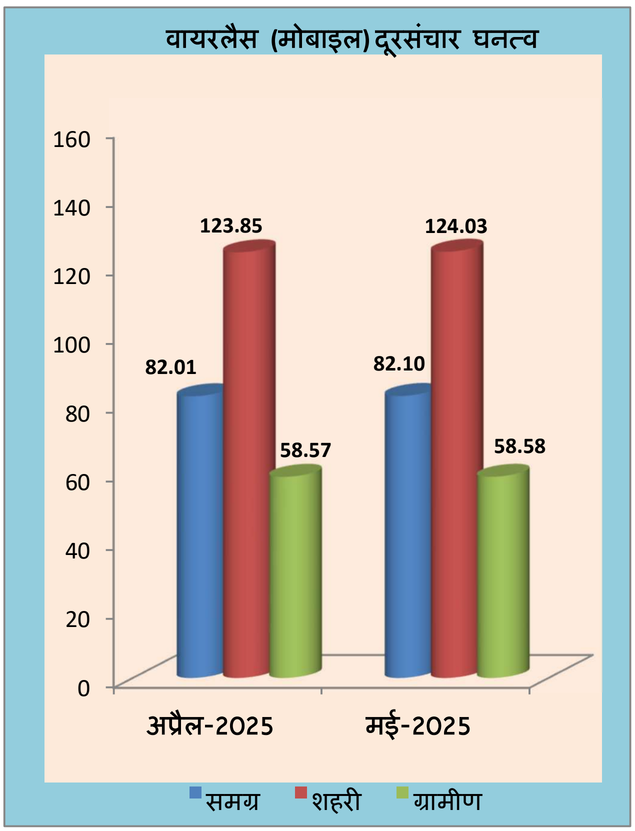

भारत में वायरलेस (मोबाइल) टेली-घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत में 82.01% से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 82.10% हो गया। शहरी वायरलेस टेली-घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत में 123.85% से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 124.03% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण टेली-घनत्व भी 58.57% से बढ़कर 58.58% हो गया। मई, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों की हिस्सेदारी क्रमशः 54.30% और 45.70% थी।

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-2** में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मई, 2025 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 92.14% बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलीफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास 7.86% बाजार हिस्सेदारी थी।
- एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी और वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में शुद्ध वृद्धि को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया हैः -

31 मई, 2025 तक वायरलेस (मोबाइल) उपभोक्ताओं के संदर्भ में एक्सेस सेवा प्रदाता-वार बाजार हिस्सेदारी

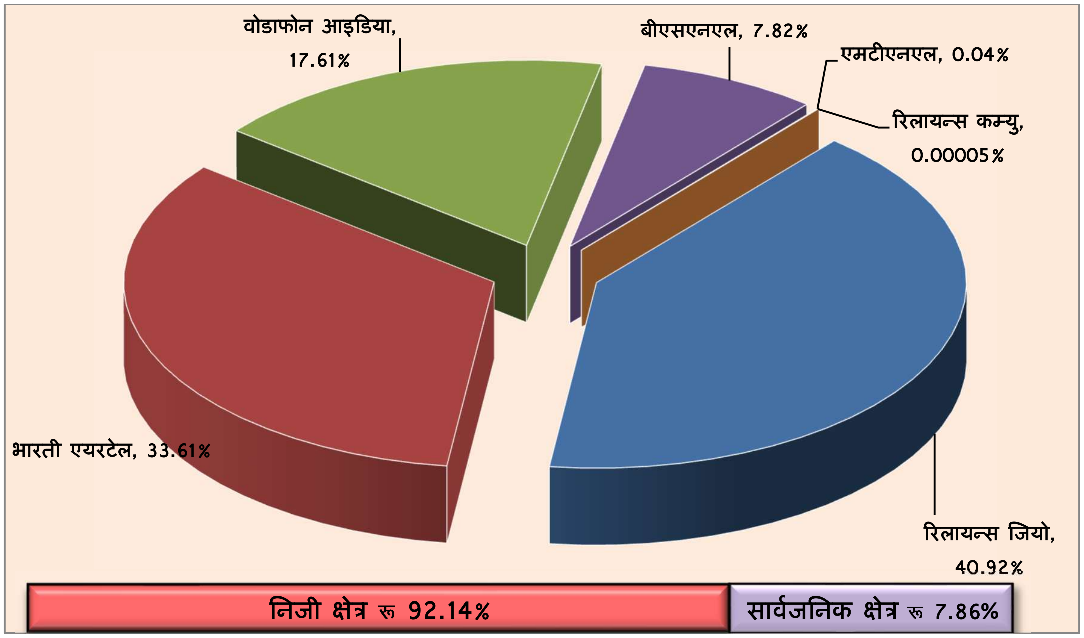

31 मई, 2025 के महीने में एक्सेस सेवा प्रदाताओं के वायरलेस (मोबाइल) ग्राहकों में शुद्ध वृद्धि/कमी

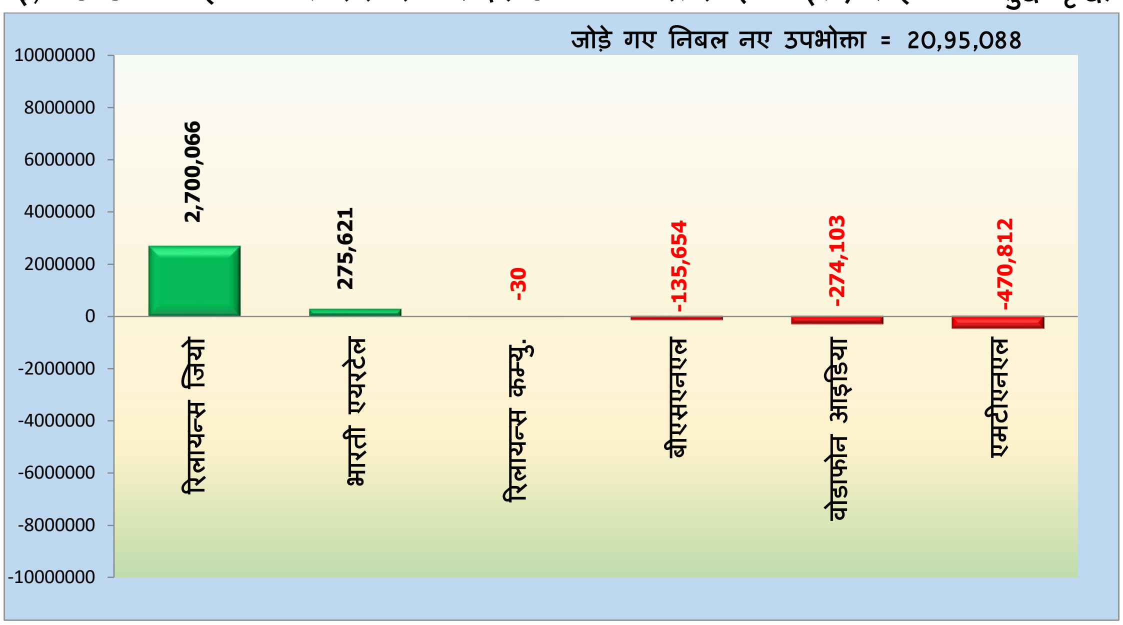

वायरलैस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों में वृद्धि

मई, 2025 माह में वायरलेस सब्सक्राइबरों की प्रमुख एक्सेस सेवा प्रदातावार मासिक वृद्धि दर

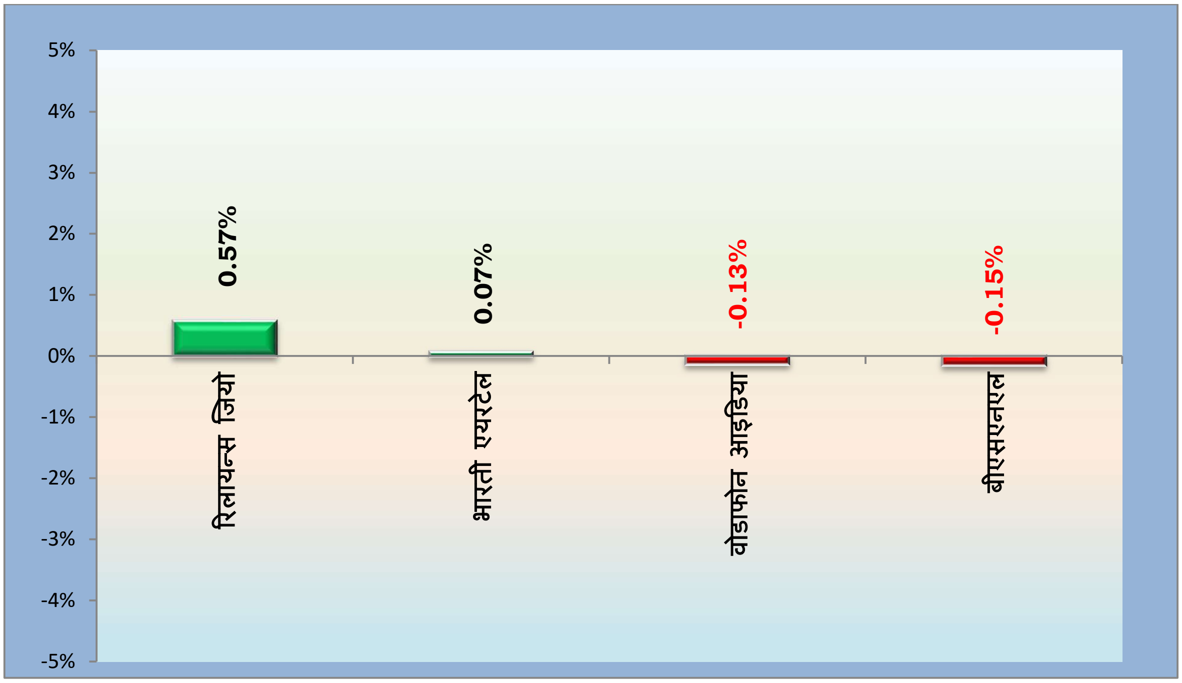

मई, 2025 माह के दौरान सेवा-क्षेत्रवार वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर बेस में मासिक वृद्धि दर

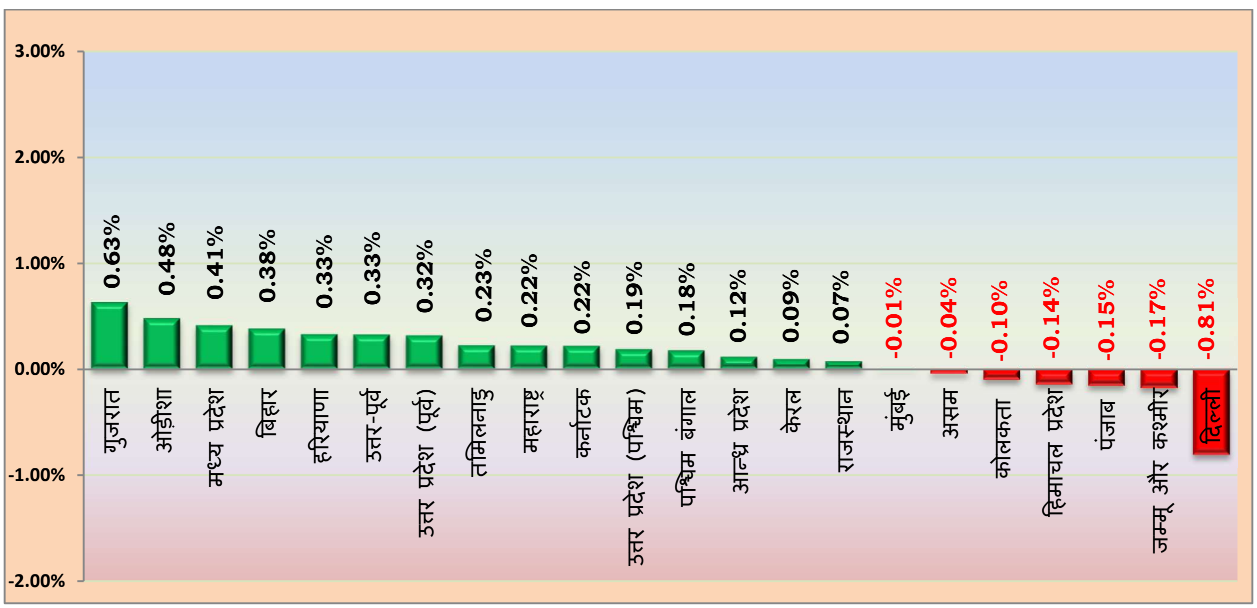

- मई, 2025 के दौरान मुंबई, असम, कोलकाता, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू और कश्मीर और दिल्ली सेवा क्षेत्र को छोड़कर अन्य सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या में वृद्धि दर दर्ज की गई।

(बी) वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस

- अप्रैल, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की संख्या 7.50 मिलियन से घटकर मई, 2025 के अंत में 7.40 मिलियन हो गई, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सक्राइबरों की संख्या क्रमशः 4.49 मिलियन और 2.91 मिलियन थी।

- मई, 2025 के अंत में कुल वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों में शहरी और ग्रामीण वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 60.66% और 39.34% थी। वायरलेस (5जी एफडब्ल्यूए) सब्सक्राइबर बेस के विस्तृत आँकड़े **अनुलग्नक-5** पर उपलब्ध हैं।

IV. एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन

एम2एम सेलुलर मोबाइल कनेक्शनों की संख्या अप्रैल, 2025 के अंत में 69.87 मिलियन से बढ़कर मई, 2025 के अंत में 73.91 मिलियन हो गई।

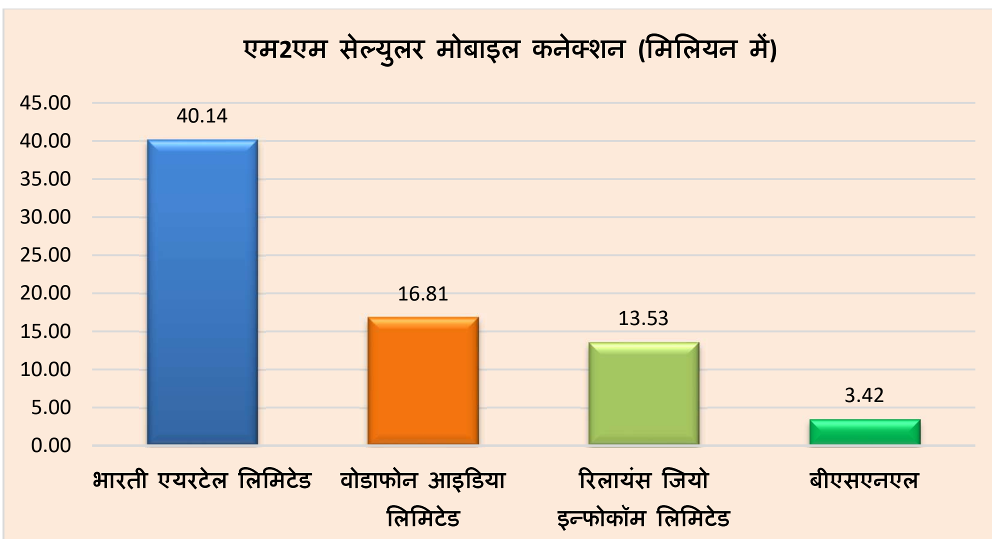

भारती एयरटेल लिमिटेड के पास 54.31% की बाजार हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक एम2एम सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन 40.14 मिलियन हैं, इसके बाद वोडाफोन आइडिया लिमिटेड, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड और बीएसएनएल के पास क्रमशः 22.74%, 18.31% और 4.63% की बाजार हिस्सेदारी है।

V. कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर बेस

अप्रैल, 2025 के अंत तक देश में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या 1,203.84 मिलियन से बढ़कर, मई, 2025 के अंत तक 1,207.08 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.27 प्रतिशत दर्ज की गयी। अप्रैल, 2025 के अंत तक शहरी सब्सक्राइबरों की संख्या 667.19 मिलियन से बढ़कर मई, 2025 के अंत तक 669.69 मिलियन हो गई और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबरों की संख्या भी 536.65 मिलियन से बढ़कर 537.39 मिलियन हो गई। मई, 2025 माह के दौरान शहरी एवं ग्रामीण सब्सक्राइबरों की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.37% तथा 0.14% रही।

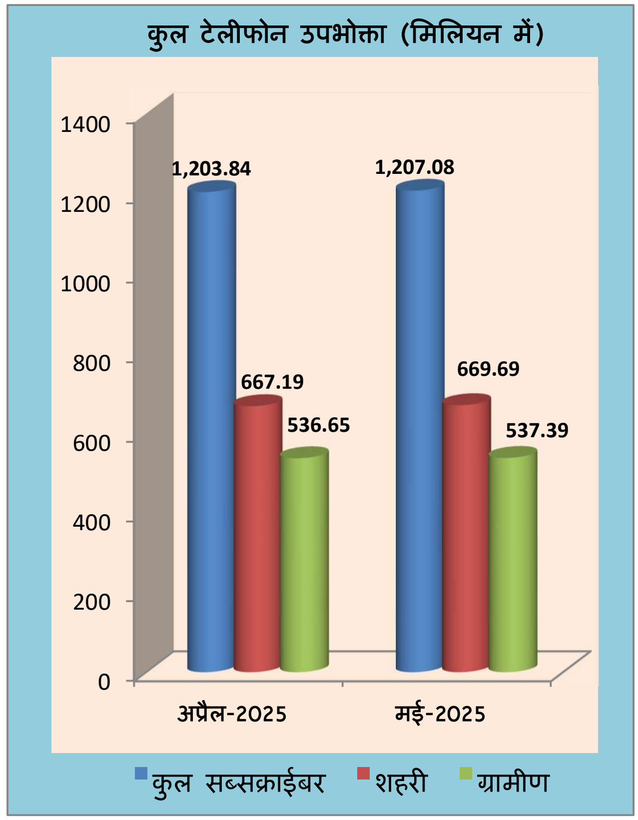

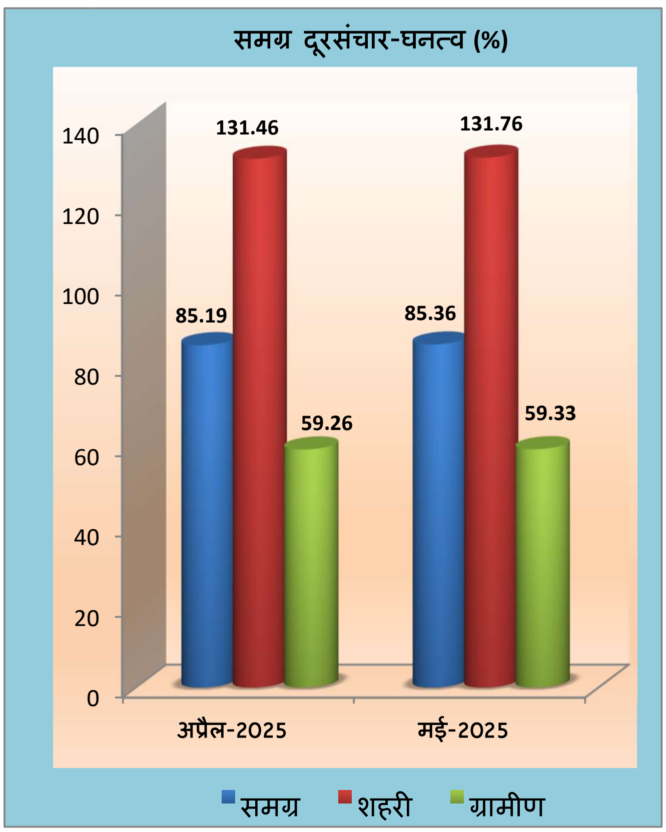

- देश में समग्र दूरसंचार घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत तक 85.19% से बढ़कर मई, 2025 के अंत तक 85.36% हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अप्रैल, 2025 के अंत तक 131.46% से बढ़कर मई, 2025 के अंत तक 131.76% हो गया और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.26% से बढ़कर 59.33% हो गया। मई, 2025 के अंत तक कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में शहरी और ग्रामीण सब्सक्राइबरों की हिस्सेदारी क्रमशः 55.48% तथा 44.52% थी।

दिनांक 31 मई, 2025 की स्थिति के अनुसार सेवा क्षेत्र (एलएसए) वार समग्र दूरसंचार-घनत्व

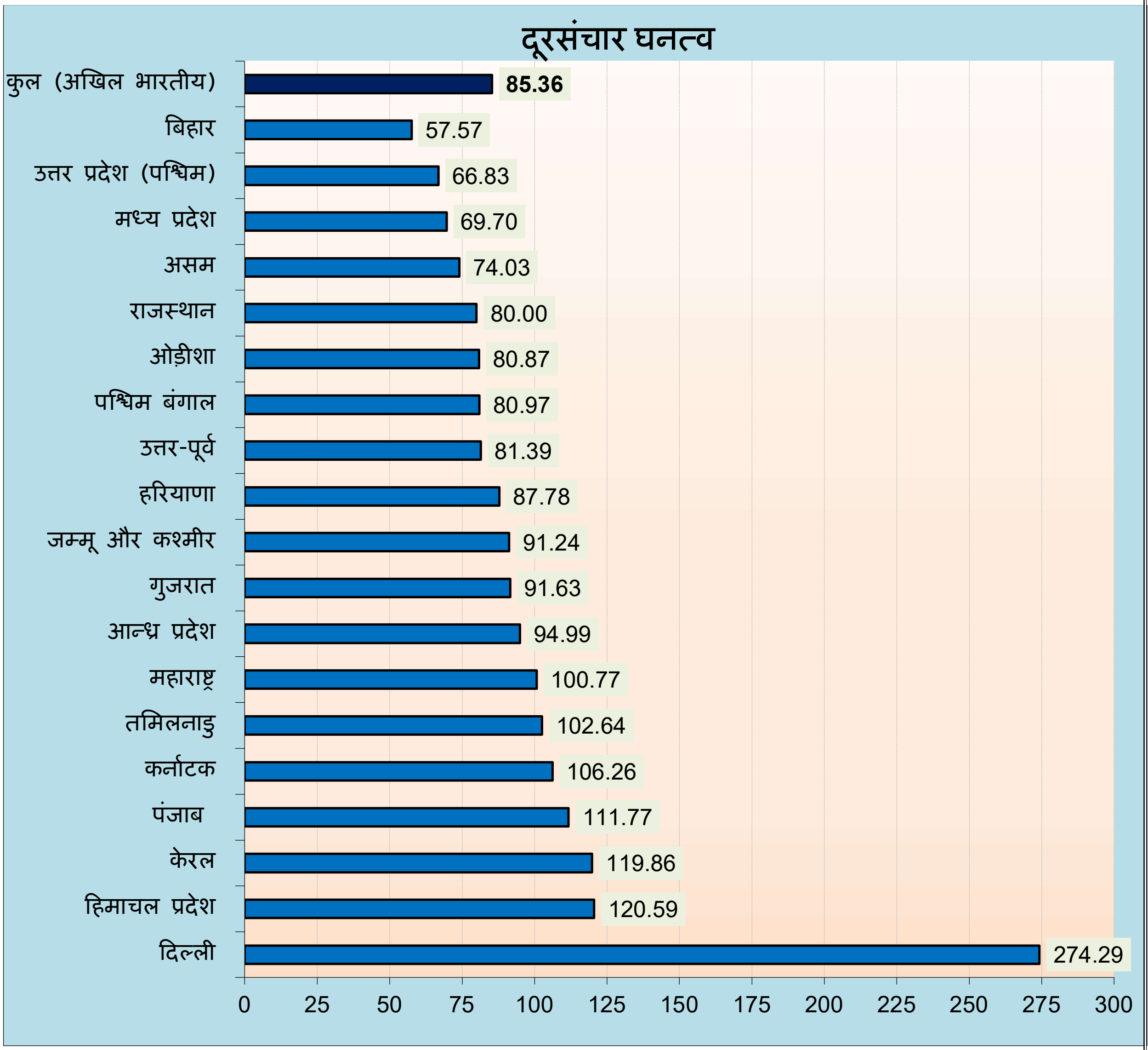

- जैसा कि उपर्युक्त चार्ट में देखा जा सकता है कि मई, 2025 के अंत में आठ सेवा क्षेत्रों में टेली-घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि-घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेली-घनत्व 274.29% रहा और इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेली-घनत्व 57.57% रहा।

नोट: -

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा तकनीकी समूह की भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या 2011-2036 के अनुमानों की रिपोर्ट के आकडो के आधार पर।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई तथा उत्तर प्रदेश में उ०प्र०(पूर्व) एवं उ०प्र०(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. आंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर-पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

VI. सब्सक्राइबर बेस में श्रेणीवार वृद्धि

मई, 2025 माह में टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मई, 2025 के माह में जोड़े गए निबल नए सब्सक्राइबर		दिनांक 31 मई, 2025 की स्थिति के अनुसार सब्सक्राइबर की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी - क	461,410	966,662	15,152,689	388,627,553
श्रेणी – ख	518,781	992,468	10,845,406	473,197,218
श्रेणी - ग	153,940	588,903	3,158,931	193,689,318
महानगर	115,094	-556,818	9,503,153	112,907,660
अखिल भारतीय	**1,249,225**	**1,991,215**	**38,660,179**	**1,168,421,749**

*वायरलेस में 5जी एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

मई, 2025 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन सब्सक्राइबरों की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अप्रैल, 2025 से मई, 2025)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मई, 2024 से मई, 2025)	
	वायरलाइन	वायरलेस*	वायरलाइन	वायरलेस*
श्रेणी – क	3.14%	0.25%	12.04%	-0.02%
श्रेणी – ख	5.02%	0.21%	15.95%	-0.47%
श्रेणी - ग	5.12%	0.30%	14.39%	1.80%
महानगर	1.23%	-0.49%	4.50%	-1.44%
अखिल भारतीय	**3.34%**	**0.17%**	**11.31%**	**-0.05%**

*वायरलेस में 5जी एफडब्ल्यूए सदस्यता भी शामिल है।

नोट: सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं।

- जैसा कि ऊपर दी गई तालिकाओं में देखा जा सकता है, वायरलेस सेगमेंट में मई, 2025 के महीने के दौरान, मासिक आधार पर, सर्कल 'महानगर' को छोड़कर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर दर्ज की है। वार्षिक आधार पर, सर्कल 'सी' को छोड़कर, अन्य सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में गिरावट दर्ज की है। वायरलाइन सेगमेंट में मई, 2025 के महीने के दौरान, मासिक एवं वार्षिक आधार पर, सभी सर्किलों ने अपने सब्सक्राइबर बेस में वृद्धि दर्ज की है।

VII. सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर (वीएलआर आंकड़े)

- मई, 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या 1,161.03 मिलियन में से 1080.06 मिलियन वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर सक्रिय थे। कुल वायरलैस (मोबाइल) सब्सक्राइबरों की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर का अनुपात लगभग 93.03 प्रतिशत था।

- मई, 2025 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस सब्सक्राइबर (जिसे वीएलआर सब्सक्राइबर भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक-3** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर सब्सक्राइबर की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक-4** में उपलब्ध है।

मई, 2025 माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

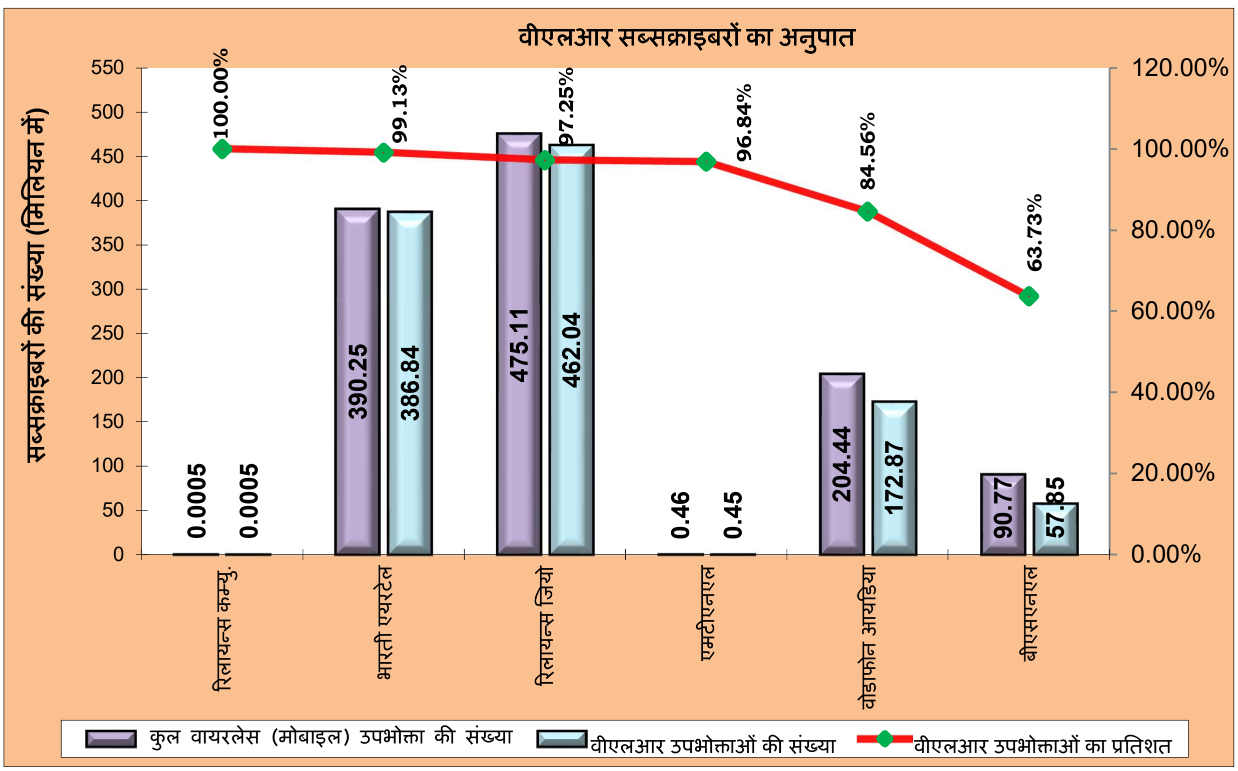

- मई, 2025 माह में रिलायन्स कम्युनिकेशंस का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 100% है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान बीएसएनएल के वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात उसके कुल वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या का 63.73% अर्थात् न्यूनतम रहा।

मई, 2025 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर सब्सक्राइबर का अनुपात

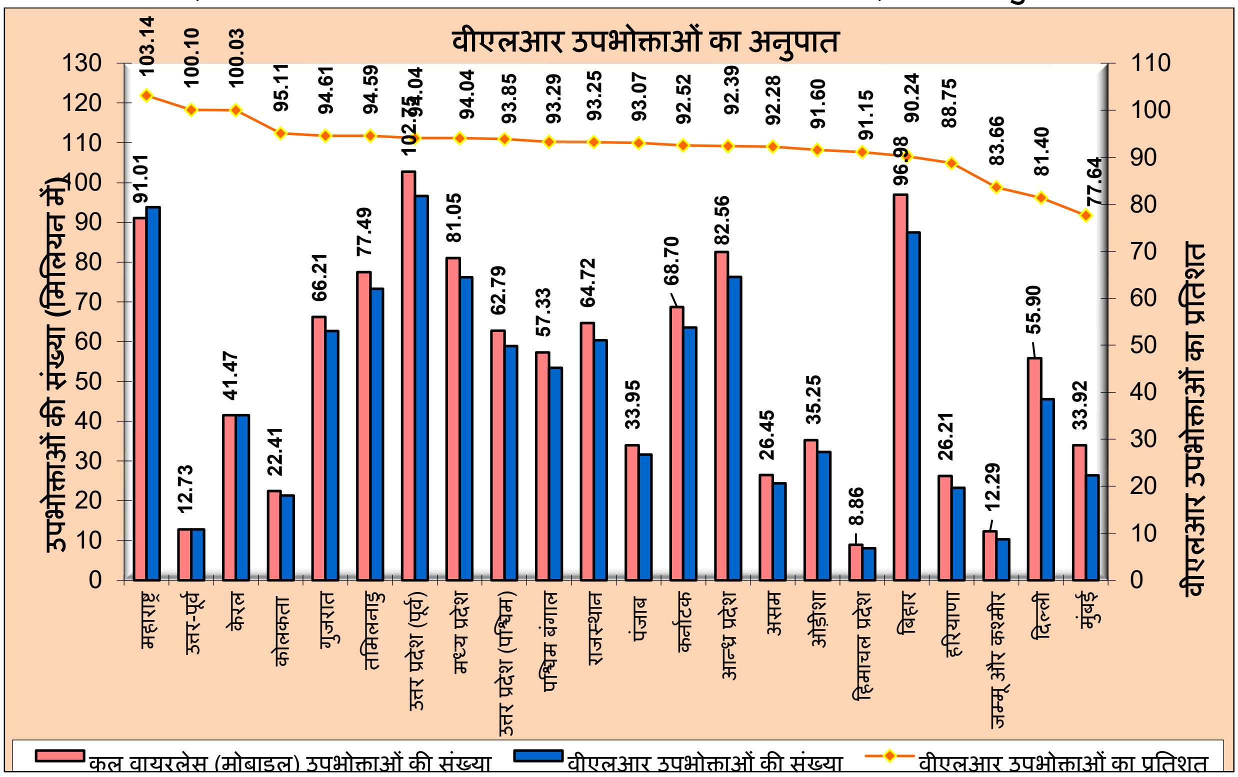

VIII. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- भारत में, अंतःसेवा-क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 20.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा-क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस मोबाइल सब्सक्राइबर एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मई, 2025 के माह में कुल 14.03 मिलियन टेलीफोन सब्सक्राइबर से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 14.03 मिलियन अनुरोधों में से 7.78 मिलियन अनुरोध जोन-I से तथा 6.26 मिलियन अनुरोध जोन-II से प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) उत्तर प्रदेश-पूर्व सेवा क्षेत्र में (115.77 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र सेवा क्षेत्र में (92.72 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र-II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध मध्य प्रदेशसेवा क्षेत्र में (90.83 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद कर्नाटक सेवा क्षेत्र में (74.69 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र-वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन-I			जोन-II		
सेवा क्षेत्र	संचित पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)		सेवा क्षेत्र	संचित पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या (मिलियन में)	
	अप्रैल, 2025	मई, 2025		अप्रैल, 2025	मई, 2025
दिल्ली	53.87	54.53	आन्ध्र प्रदेश	73.33	73.98
गुजरात	77.03	77.92	असम	8.30	8.42
हरियाणा	35.58	35.99	बिहार	65.97	67.13
हिमाचल प्रदेश	4.74	4.79	कर्नाटक	74.10	74.69
जम्मू और कश्मीर	3.30	3.38	केरल	26.58	26.84
महाराष्ट्र	91.80	92.72	कोलकाता	20.36	20.55
मुंबई	36.50	36.74	मध्य प्रदेश	89.58	90.83
पंजाब	36.72	37.08	उत्तर-पूर्व	2.58	2.61
राजस्थान	75.23	75.99	ओड़ीशा	19.70	19.93
उत्तर प्रदेश-पूर्व	113.81	115.77	तमिलनाडु	69.96	70.59
उत्तर प्रदेश-पश्चिम	85.44	86.90	पश्चिम बंगाल	67.93	69.08
कुल	614.03	621.81	कुल	518.38	524.64
कुल (जोन-I + जोन-II)				1,132.41	1,146.45
शुद्ध वृद्धि (मई, 2025)					14.03

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री अखिलेश कुमार त्रिवेदी, सलाहकार (एनएसएल-II),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, टॉवर-एफ, नौरोजी नगर,
नई दिल्ली-110029.
फोन-011-20907758
ई-मेलः advmn@trai.gov.in

Digitally signed by
PUSHPENDRA KUMAR SINGH
Date: 27-06-2025 15:14:32

(पुष्पेन्द्र कुमार सिंह)
क/प प्रधान सलाहकार (एनएसएल), भा.दू.वि.प्रा.

वायरलाइन सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक - I

सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		टाटा टेलि.		क्वाड्रेन्ट		वोडाफोन आइडिया		रिलायन्स जियो		एसटीपीएल		एपीएसएफएल		कुल		शुद्ध योग
	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	
आन्ध्र प्रदेश	660,664	659,961			836,796	871,984	14,712	14,717	232,240	236,661			82,200	81,850	1,656,304	1,771,541			629,069	612,212	**4,111,985**	**4,248,926**	**136,941**
असम	103,853	102,552			59,049	60,958	-	-					2,520	2,310	214,725	227,198					**380,147**	**393,018**	**12,871**
बिहार	168,285	166,176			372,420	378,359	9	9	13,370	13,344			5,337	5,187	623,817	699,768					**1,183,238**	**1,262,843**	**79,605**
दिल्ली	-	-	964,726	908,600	2,347,813	2,354,184	13,006	12,775	243,127	243,083			77,421	77,051	1,107,763	1,197,860					**4,753,856**	**4,793,553**	**39,697**
गुजरात	472,839	470,558			317,015	321,549	2,216	2,255	204,442	203,879			101,580	104,745	789,159	886,447					**1,887,251**	**1,989,433**	**102182**
हरियाणा	345,422	350,127			201,952	205,606	-	-	39,100	38,256			450	450	161,343	212,765					**748,267**	**807,204**	**58,937**
हिमाचल प्रदेश	96,865	97,005			15,809	16,440	-	-	1,318	1,323			90	90	68,079	72,288					**182,161**	**187,146**	**4,985**
जम्मू और कश्मीर	54,159	53,205			135,784	137,824	-	-					30	30	234,554	254,578					**424,527**	**445,637**	**21,110**
कर्नाटक	679,823	676,783			1,293,842	1,289,604	13,352	11,854	504,883	505,109			177,461	183,271	1,032,612	1,101,557					**3,701,973**	**3,768,178**	**66,205**
केरल	1,212,363	1,208,389			125,724	127,802	2,296	2,326	16,622	16,702			6,622	6,707	369,271	379,484					**1,732,898**	**1,741,410**	**8512**
कोलकता	237,746	233,224			214,837	214,908	3,001	3,001	64,572	64,473			13,411	13,519	560,621	621,521					**1,094,188**	**1,150,646**	**56,458**
मध्य प्रदेश	309,194	307,225			598,115	607,877	5	5	43,032	41,427			76,012	70,612	961,403	1,015,428					**1,987,761**	**2,042,574**	**54,813**
महाराष्ट्र	665,040	658,795			597,118	601,174	6,845	6,492	216,591	215,379			20,335	20,385	337,432	435,302					**1,843,361**	**1,937,527**	**94,166**
मुंबई	3,660	2,162	1,037,409	1,026,701	642,590	634,786	31,160	31,082	644,859	648,914			184,240	184,282	996,097	1,031,027					**3,540,015**	**3,558,954**	**18,939**
उत्तर-पूर्व	60,844	60,329			-	-	-	-					510	480	213,563	220,273					**274,917**	**281,082**	**6,165**
ओड़ीशा	156,021	155,349			79,113	87,256	4	4	16,707	16,711			2,990	2,750	305,166	327,135					**560,001**	**589,205**	**29,204**
पंजाब	557,925	545,037			380,999	387,070	1,508	1,508	15,022	14,956	344,856	343,557	1,600	1,600	417,248	497,240	54,010	54,262			**1,773,168**	**1,845,230**	**72,062**
राजस्थान	301,345	299,266			326,939	330,506	2,834	2,841	24,955	24,802			12,445	12,885	490,971	578,857					**1,159,489**	**1,249,157**	**89,668**
तमिलनाडु	991,269	987,236			1,013,338	1,019,127	9,572	9,376	134,518	135,352			31,957	30,992	966,055	1,026,542					**3,146,709**	**3,208,625**	**61,916**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	139,058	138,902			328,851	333,388	28	28	12,502	12,477			17,082	17,102	648,758	736,997					**1,146,279**	**1,238,894**	**92,615**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	213,302	213,317			228,471	232,628	7	7	7,191	7,211			4,336	4,126	739,991	841,280					**1,193,298**	**1,298,569**	**105,271**
पश्चिम बंगाल	189,365	187,390			88,380	91,171	21	21	2,573	2,455			150	150	304,976	341,181					**585,465**	**622,368**	**36,903**
कुल	**7,619,042**	**7,572,988**	**2,002,135**	**1,935,301**	**10,204,955**	**10,304,201**	**100,576**	**98,301**	**2,437,624**	**2,442,514**	**344,856**	**343,557**	**818,779**	**820,574**	**13,199,908**	**14,476,269**	**54,010**	**54,262**	**629,069**	**612,212**	**37,410,954**	**38,660,179**	**1,249,225**
शुद्ध योग		**-46054**		**-66834**		**99246**		**-2275**		**4890**		**-1299**		**1795**		**1276361**		**252**		**-16857**		**1249225**	
ग्रामीण ग्राहक	**2,151,944**	**2,150,556**	**29**	**29**	**2,553**	**2,596**	**300**	**300**	**5,268**	**5,129**	**63,340**	**165,910**	**-**	**-**	**822,930**	**1,102,392**	**-**	**-**	**465,801**	**451,958**	**3,512,165**	**3,878,870**	**366,705**

वायरलेस (मोबाइल) सब्सक्राइबर की संख्या

अनुलग्नक -**II**

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		एमटीएनएल		रिलायन्स जियो		कुल		शुद्ध योग
	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	अप्रैल-25	मई-25	
आन्ध्र प्रदेश	33,965,795	34,048,191	-	-	9,690,229	9,640,343	6,939,168	6,928,049			31,871,384	31,945,214	**82,466,576**	**82,561,797**	95221
असम	12,314,102	12,293,151			1,422,240	1,434,019	2,969,614	2,963,344			9,752,800	9,758,191	**26,458,756**	**26,448,705**	-10051
बिहार	40,967,773	40,988,647	-	-	7,781,220	7,830,567	5,752,352	5,724,768			42,106,190	42,434,492	**96,607,535**	**96,978,474**	370939
दिल्ली	18,877,637	18,955,970	1	1	16,796,269	16,668,960			788,984	320,183	19,892,440	19,955,909	**56,355,331**	**55,901,023**	-454308
गुजरात	12,401,101	12,410,627	1	1	19,680,582	19,779,837	3,260,886	3,251,401			30,453,865	30,771,740	**65,796,435**	**66,213,606**	417171
हरियाणा	7,256,973	7,297,408	-	-	6,337,736	6,326,307	4,199,581	4,235,843			8,333,583	8,354,396	**26,127,873**	**26,213,954**	86081
हिमाचल प्रदेश	3,575,366	3,573,207	-	-	381,498	381,278	1,686,251	1,673,678			3,230,655	3,233,151	**8,873,770**	**8,861,314**	-12456
जम्मू और कश्मीर	6,259,328	6,226,341	-	-	266,116	262,255	865,999	862,849			4,921,318	4,939,802	**12,312,761**	**12,291,247**	-21514
कर्नाटक	32,337,705	32,353,587	410	404	6,737,615	6,727,033	4,570,631	4,563,424			24,907,184	25,059,651	**68,553,545**	**68,704,099**	150554
केरल	8,979,470	9,053,445	-	-	12,886,334	12,858,619	8,786,312	8,768,554			10,775,087	10,785,088	**41,427,203**	**41,465,706**	38503
कोलकता	5,414,409	5,388,945	-	-	4,797,574	4,768,376	1,455,425	1,454,009			10,767,827	10,802,359	**22,435,235**	**22,413,689**	-21546
मध्य प्रदेश	16,632,103	16,640,450	-	-	13,390,619	13,333,801	5,129,940	5,092,733			45,566,747	45,986,829	**80,719,409**	**81,053,813**	334404
महाराष्ट्र	22,616,457	22,643,568	-	-	20,208,191	20,236,102	5,288,032	5,270,399			42,699,088	42,862,044	**90,811,768**	**91,012,113**	200345
मुंबई	10,117,466	10,098,290	64	65	10,717,031	10,718,766			141,577	139,566	12,943,992	12,961,608	**33,920,130**	**33,918,295**	-1835
उत्तर-पूर्व	6,441,774	6,453,660	-	-	629,682	624,589	1,290,594	1,287,918			4,322,201	4,359,535	**12,684,251**	**12,725,702**	41451
ओड़ीशा	12,000,051	12,003,744	-	-	1,404,631	1,423,473	5,565,278	5,556,906			16,109,743	16,263,873	**35,079,703**	**35,247,996**	168293
पंजाब	12,536,760	12,534,759	7	7	5,987,467	5,940,040	4,082,258	4,075,609			11,396,751	11,400,335	**34,003,243**	**33,950,750**	-52493
राजस्थान	23,398,032	23,389,579	78	52	9,122,850	9,091,447	5,626,191	5,619,511			26,522,578	26,617,594	**64,669,729**	**64,718,183**	48454
तमिलनाड़ु	30,287,993	30,397,167	-	-	14,592,467	14,580,242	7,758,526	7,783,965			24,674,009	24,725,577	**77,312,995**	**77,486,951**	173956
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	36,295,702	36,260,483	-	-	16,049,712	16,039,247	8,065,974	8,062,697			42,010,696	42,384,979	**102,422,084**	**102,747,406**	325322
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	18,828,814	18,796,958	-	-	14,284,138	14,260,491	4,979,572	4,974,408			24,576,722	24,754,486	**62,669,246**	**62,786,343**	117097
पश्चिम बंगाल	18,469,884	18,442,139	8	9	11,546,912	11,511,218	2,633,080	2,619,945			24,573,830	24,751,903	**57,223,714**	**57,325,214**	101500
कुल	**389,974,695**	**390,250,316**	**569**	**539**	**204,711,113**	**204,437,010**	**90,905,664**	**90,770,010**	**930,561**	**459,749**	**472,408,690**	**475,108,756**	**1,158,931,292**	**1,161,026,380**	**2095088**
शुद्ध योग		**275,621**		**-30**		**-274103**		**-135654**		**-470812**		**2,700,066**	**0**	**2095088**	
ग्रामीण ग्राहक	192,787,053	191,742,961	-	-	97,379,902	97,362,742	30,069,936	29,929,299	16,490	23,175	210,109,138	211,546,494	**530,362,519**	**530,604,671**	**242,152**

मई, 2025 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में) अनुलग्नक-III

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	97.13	67.74	91.30		-	93.02	**92.39**
असम	99.85	26.84	91.61		-	102.71	**92.28**
बिहार	92.95	38.86	86.66		-	95.21	**90.24**
दिल्ली	92.02		52.37	93.46	100.00	95.36	**81.40**
गुजरात	107.96	56.43	88.45		0.00	97.22	**94.61**
हरियाणा	99.81	37.99	93.75		-	101.02	**88.75**
हिमाचल प्रदेश	97.18	53.30	103.79		-	102.58	**91.15**
जम्मू और कश्मीर	89.79	62.66	81.52		-	79.72	**83.66**
कर्नाटक	97.33	68.38	74.12		100.00	95.65	**92.52**
केरल	102.93	115.41	92.48		-	94.10	**100.03**
कोलकता	97.12	92.52	87.63		-	97.75	**95.11**
मध्य प्रदेश	99.14	51.59	87.08		-	98.91	**94.04**
महाराष्ट्र	105.77	97.33	93.06		-	107.22	**103.14**
मुंबई	84.35		65.83	104.59	100.00	81.88	**77.64**
उत्तर-पूर्व	102.10	52.14	96.74		-	111.77	**100.10**
ओड़ीशा	103.06	46.77	90.22		-	98.57	**91.60**
पंजाब	102.32	53.10	90.22		100.00	98.68	**93.07**
राजस्थान	100.84	43.92	89.33		100.00	98.33	**93.25**
तमिलनाडु	100.37	96.40	79.64		-	95.73	**94.59**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	102.83	38.43	91.51		-	98.07	**94.04**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	107.29	46.16	89.90		-	95.51	**93.85**
पश्चिम बंगाल	96.89	80.86	88.37		100.00	94.20	**93.29**
कुल	**99.13**	**63.73**	**84.56**	**96.84**	**100.00**	**97.25**	**93.03**

नोट: इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हो सकते हैं।

अनुलग्नक-IV

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर सब्सक्राइबर

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन सब्सक्राइबर की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डाटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक सब्सक्राइबर, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर सब्सक्राइबर के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का डाटा भेजता है।

सब्सक्राइबर की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः –

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः **(बी=क+ख+ग+घ+ङ)**
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टाक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	सब्सक्राइबर को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**सब्सक्राइबर की संख्या (ए - बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) सब्सक्राइबर का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम-इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई सब्सक्राइबर एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि सब्सक्राइबर सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह काल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि सब्सक्राइबर ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित सब्सक्राइबर की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डाटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय सब्सक्राइबर के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका **72** घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

5G FWA सब्सक्राइबर की संख्या **अनुलग्नक -V**

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल		रिलायन्स जियो		कुल	
	अप्रैल -25	मई -25	अप्रैल -25	मई -25	अप्रैल -25	मई -25
आन्ध्र प्रदेश	124,489	141,586	523,220	500,542	**647,709**	**642,128**
असम	23,356	27,961	121,639	125,570	**144,995**	**153,531**
बिहार	40,139	50,727	432,737	432,003	**472,876**	**482,730**
दिल्ली	85,684	91,219	275,779	229,693	**361,463**	**320,912**
गुजरात	78,442	87,924	387,275	351,097	**465,717**	**439,021**
हरियाणा	37,846	43,168	190,522	172,332	**228,368**	**215,500**
हिमाचल प्रदेश	5,943	7,053	47,370	50,633	**53,313**	**57,686**
जम्मू और कश्मीर	22,074	25,704	121,047	126,060	**143,121**	**151,764**
कर्नाटक	123,393	137,993	361,122	332,186	**484,515**	**470,179**
केरल	23,802	27,471	112,690	116,055	**136,492**	**143,526**
कोलकता	48,815	53,886	184,025	153,580	**232,840**	**207,466**
मध्य प्रदेश	55,514	64,646	378,970	379,178	**434,484**	**443,824**
महाराष्ट्र	117,738	133,222	507,096	471,170	**624,834**	**604,392**
मुंबई	53,015	57,564	106,464	88,711	**159,479**	**146,275**
उत्तर-पूर्व	11,234	13,648	60,125	62,157	**71,359**	**75,805**
ओड़ीशा	30,173	34,161	167,802	180,203	**197,975**	**214,364**
पंजाब	65,579	73,752	399,922	374,782	**465,501**	**448,534**
राजस्थान	83,107	93,786	342,890	326,196	**425,997**	**419,982**
तमिलनाडु	173,668	193,303	323,129	299,964	**496,797**	**493,267**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	70,449	82,014	471,068	464,773	**541,517**	**546,787**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	52,999	63,393	397,816	370,796	**450,815**	**434,189**
पश्चिम बंगाल	30,513	36,249	228,562	247,258	**259,075**	**283,507**
कुल	**1357972**	**1,540,430**	**6,141,270**	**5,854,939**	**7,499,242**	**7,395,369**
शुद्ध योग		**182458**		**-286331**		**-103873**
मासिक वृद्धि %		**13.44%**		**-4.66%**		**-1.39%**
ग्रामीण ग्राहक			**2,774,249**	**2,909,702**	**2774249**	**2,909,702**